Sri Arvind Mahila College, Patna

Accredited by NAAC with B^{+} Grade

(A Constituent Unit of Patliputra University, Patna)

Organizing Department: Political Science and Philosophy

Awareness Session on Nationalism, Internationalism and Education in the light of Sri Aurobindo's Vision

09.03.2022

दर्शन शास्त्र विभाग और राजनीति विज्ञान विभाग एवम उड़ीसा की संस्था Eager to Forge Ahead India के संयुक्त तत्वावधान में एक जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया जिसकी थीम थी: श्रीअरविंद की दृष्टि में राष्ट्रवाद, अन्तर्राष्ट्रवाद तथा शिक्षा।

राष्ट्रवाद, अंतरराष्ट्रवाद और शिक्षा विषय पर जागरूकता सत्र

श्री अरविंद महिला कॉलेज

श्री अरविंद महिला कॉलेज के जागरूकता सत्र में भाग लेतीं छात्राएं.

पटना. श्री अरविंद महिला कॉलेज के दर्शन शास्त्र विभाग, राजनीति विज्ञान विभाग और ओड़िशा की संस्था इगर टू फॉर्ज अहेड इंडिया के सहयोग से जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया. इसका थीम श्रीअरविंद की दृष्टि में राष्ट्रवाद, अंतरराष्ट्रवाद और शिक्षा था. प्राचार्या डॉ पूनम ने श्रीअरविंद के दर्शन को साझा करते हुए सभी को यह प्रेरणा दी कि देश को जीवंत सत्ता मानते हुए देश के विकास में सभी को योगदान देना चाहिए. ओड़िशा की संस्था से राजेश साहू और संदीप पोद्दार ने श्री अरविंद के जीवन और दर्शन के बारे में विस्तार से बताया. कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत दर्शन शास्त्र विभाग की अध्यक्षा डॉ गीता कुमारी ने किया जबकि संचालन दर्शन शास्त्र विभाग के गोपाल कुमार ने किया और धन्यवाद ज्ञापन राजनीति विज्ञान विभाग के राजीव शंकर सिन्हा ने किया. इस आयोजन में डॉ बिमी सिंह, डॉ साधना ठाकुर, डॉ स्वपना बरुआ, डॉ अनुमाला सिंह सहित करीब 250 छात्राएं मौजूद थीं.

प्रभात खबर Thu, 10 March 2022
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/66730472

दैनिक भास्कर पटना सिटी भास्कर 10-03-2022

अरविंद की दृष्टि में राष्ट्रवाद, अंतरराष्ट्रवाद और शिक्षा पर हुई चर्चा

पटना | अरविंद महिला कॉलेज के दर्शनशास्त्र विभाग और राजनीति विज्ञान विभाग और ओडिशा की संस्था इगर टू फॉर्ज अहेड इंडिया के द्वारा एक जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। जागरूकता कार्यक्रम का थीम अरविंद की दृष्टि में राष्ट्रवाद, अंतरराष्ट्रवाद और शिक्षा थी। कॉलेज की प्राचार्य प्रो. पूनम ने अरविंद के दर्शन को साझा किया। कहा कि देश को जीवंत सत्ता मानते हुए देश के विकास में सभी को योगदान देना चाहिए। संस्था के राजेश साहू ने ध्यान सत्र का आयोजन किया गया। संस्था के संदीप पोद्दार ने अपने उद्बोधन में श्री अरविंद के जीवन एवम दर्शन के बारे में विस्तार से बताया। अरविंद के पांच स्वपन के बारे में भी बताते हुए कहा कि देश की आजादी एक आध्यात्मिक देन थी।